जनमों का संस्कार | By Vijay Soni |

जनमों का संस्कार है
तेरे द्वार लाया है
तुझसे मिलाया है
साथ निभाना बाबा
अब तो हमारा

नहीं एक जनम की बात
नाथ जनमों का नाता है
नहीं कभी बंद करना
भुला दो मेरा खाता है
तुझ सा महाजन बड़ी
मुश्किल से पाया है
मुश्किल से पाया है
साथ निभाना बाबा
अब तो हमारा

जो तुझसे मिला है प्यार
उसे कभी भूल न पाऊँगा
एहसान बहुत तेरे
इन्हें कैसे मैं चुकाऊँगा
बार-बार तूने मुझपे
कर्ज चढ़ाया है
कर्ज चढ़ाया है
साथ निभाना बाबा
अब तो हमारा

एक तू ही है अपना
प्रभु तुझपे है मेरा जोर
कमजोर नहीं होती
कभी भी अमर प्रेम की डोर
तेरी प्रीत के धागे से
खुद को बंधाया है
खुद को बंधाया है
साथ निभाना बाबा
अब तो हमारा

ये दुनिया के रिश्ते
प्रभु हर जन्मों में बदले
पर बिन्नू (भक्त) और भगवान
का रिश्ता हरदम साथ चले
जन्मों का हमसफ़र
तुझको बनाया है
तुझको बनाया है
साथ निभाना बाबा
अब तो हमारा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%a8%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a4%82%e0%a4%b8%e0%a5%8d%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-vijay-soni/